

वामा आदेश दि. 30.8.19 का फेस हो

30 $\frac{8}{19}$

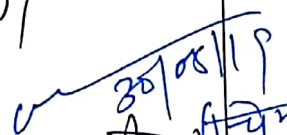
पत्रावली पैरा दुई | वकील वारी उपर पत्रावली का आधोपान्त गहन मनन अवलोकन किया | वारी के वादपत्र के लक्ष्य, वाचिद्वत गीलीक, प्रस्तुत स्थाप्यादि पर सम्यक अनुशीलन मनन किया गया।

नामांक नं. 431 दि. 12.5.14 प्रद्वय- 6 ल

स्पष्ट है, कि उक्त नामान्ताकाल जन 2003 की रीजिस्टर्ड सेल डीड द्वारा बख्ताम पुत्र भोला रेवारी बरक अंशुश जैन के आधार पर खैरलभर के उपान्त तथा बख्ता की मुख्य उपान्त वादगत श्रमि बख्ता के वारिसा के नाम दर्ज हो जाने के उपान्त साबिक पंचान नम्बरों के टाल नम्बर पर समय किया गया है। बख्ता द्वारा साबिक रवक

तारीख हुकम	हुकम या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज	नम्बर अहम हुकम में
	<p>१५३ (तब) १५) में ल अपन १/३ हिस्सा अंशुरा जैन को बँचान किया गया था/ नामांकन: ५३। राया काले समय हाल खसरा नं: ३२४ के साथ खस नं: ३१२ का ५३ हिस्सा भी अंशुरा जैन के नाम दर्ज कर दिया। हक प्रदय-१० व ॥ हाल खस नं: ३१२ साबिक खस नं: १५३ के पैट्ट नदी लोक १५४ के पैट्ट किया गया है। इस प्रकार नामांकन: ४३१ राया काले समय मुख्यतः दो अदियां करिता की गई हैं।</p> <p>(१) विहोला की मृत्यु हो जाने के बाद विहोला के वारिसान के नाम शमि दर्ज हो जाने व लडुपान्त भू-प्रबंध हो जाने के उपरान्त विहोला के नाम बिना किसी संसम आदेश के नामांक दर्ज किया गया है।</p> <p>(२) उक्त नामांक में जो भू-भाग बँचान नहीं हुआ, उसका भी एक गिहाई हिस्सा किसी अन्य के नाम पर दर्ज कर दिया गया है। इस प्रकार हाल आराजी खस नं: ३१२ पर अदिवरक विहोला (जिसने वस्तुतः खस नं: १५४) हक किया था) का नाम दर्ज हो जाने से शमि उत्तरोत्तर अदियां के लालत हक में जलिवादी नम्बर १ के नाम पर दर्ज कर दी गई।</p> <p>इस प्रकार खसरा नम्बर हाल ३१२ के हक में राया नामान्ता (काल) नं: ५३१</p>	

30/08/14

हुकम या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज	नम्बर व तारीख अहकाम जो इस हुकम की तामील में जारी हुए
<p>प्रभावशून्य है।</p> <p>अज्ञान में प्रस्तुत अर्ज-1 व अर्ज-11 पर सम्बन्ध विचार किया। अज्ञान के गुण और अवकृण पर सम्बन्ध मनन किया गया। वाद वारी अंशतः खीकार योग्य है।</p> <p>अतः वारी का वाद अंशतः खीकार किया जाकर अद्वैत रिजे आल है, कि ग्राम बरपुरा की श्रमि हल खसरा नम्बर 312 पर से खीकार नम्बर 1 का नाम हिमसा 1/3 पर से हराया जाकर उरुल के खसरा पर वारी का नाम दर्ज किया जावे। रिफार्ड में अमर रामड ही तदनुसार डिही जारी है।</p> <p>निर्णय आज दिनांक 30/8/2019 को मेटे द्वारा लिखाया जाकर विद्वल न्यायालय में सुनाया गया।</p> <p style="text-align: right;">  (निशान्त सिंह) (Nishant Singh) उपखण्ड अधिकारी सिंगरौली </p>	